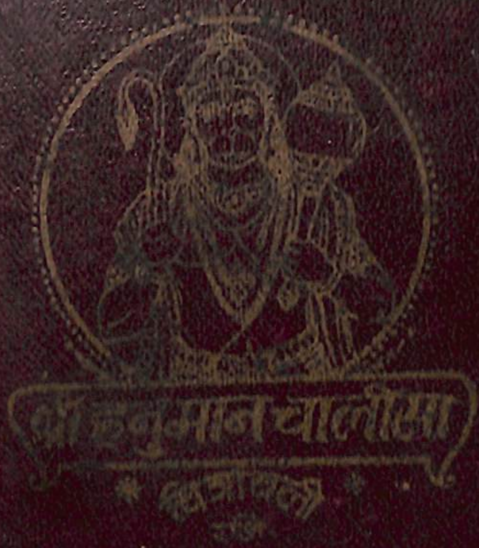

सप्रेम भेंट
श्री सिद्ध हनुमान मन्दिर कमेटी
महाबीर चौंक जगराओं


श्री हनुमान चालीसा

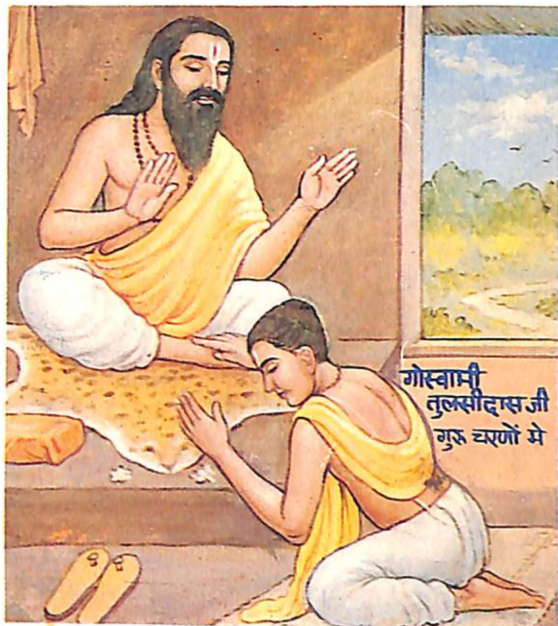
श्री हनुमान चालीसा

चित्रावली

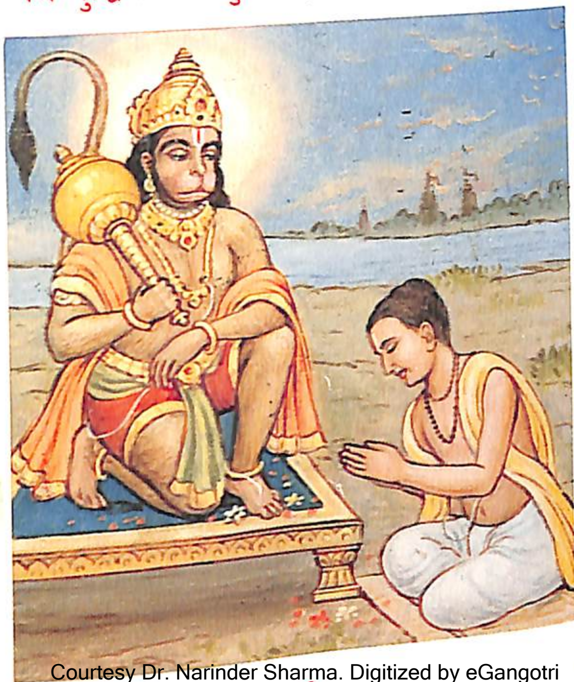
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम
जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम

दोहा

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु जो दायक फल चारि ।।

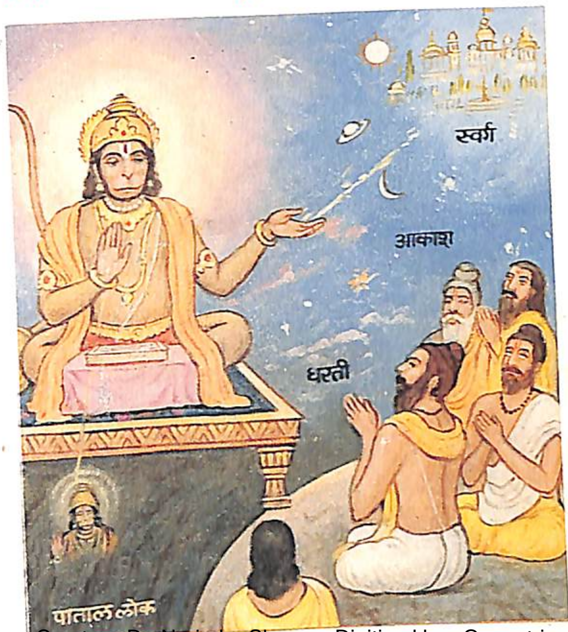


बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरों पवन–कुमार।
बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं, हरहु कलेश विकार।।



चौपाई

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहूँ लोक उजागर ।।



राम दूत अतुलित बल-धामा ।
अंजनि पुत्र पवनसुत नामा ।।



महाबीर बिक्रम वजरंगी।
कुमति निवार सुमति के संगी।।



कंचन बरन बिराज सुबेसा ।
कानन कुंडल कुंचित केसा ।।



हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै।
काँधे मूँज जनेऊ साजै।।



शंकर सुवन केसरी नंदन ।
तेज प्रताप महा जग वन्दन ।।



विद्यावान गुनी अति चातुर ।
राम काज करिबे को आतुर ।।



प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
राम लखन सीता मन बसिया ।।



सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा।
बिकट रूप धरि लंक जरावा।।



भीम रूप धरि असुर संहारे ।
रामचन्द्र के काज संवारे ।।



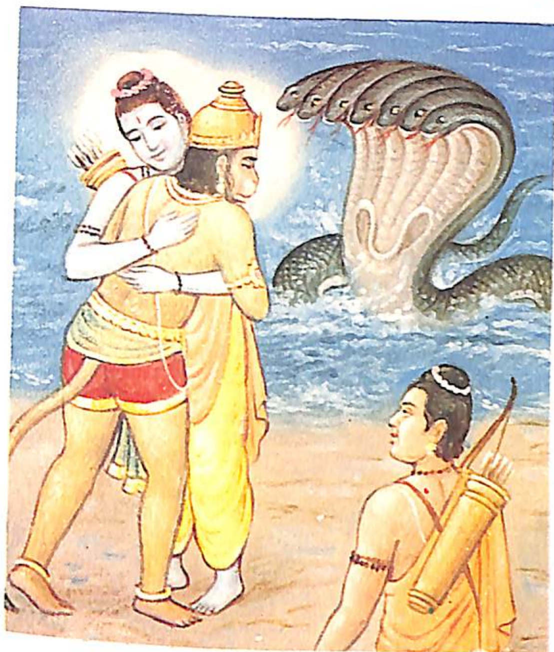
लाय सजीवन लखन जियाये ।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ।।



रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई ।।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ।



सहस बदन तुम्हरो जस गावैं।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं।।



सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा।
नारद सारद सहित अहीसा।।



जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते।
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते।।



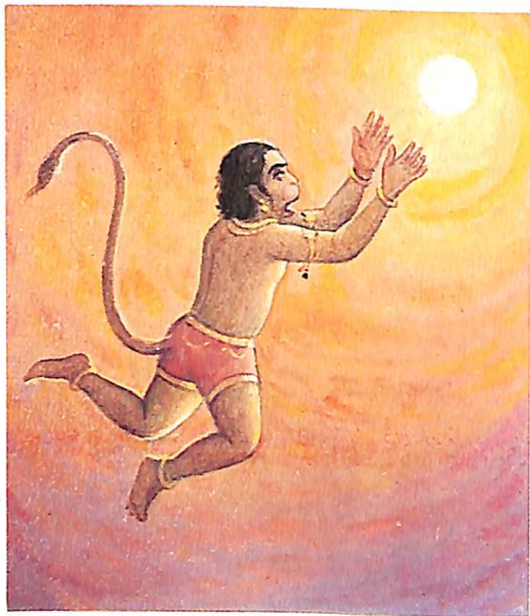
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ।
राम मिलाय राज पद दीन्हा ।।



तुम्हरो मन्त्र बिभीषन माना।
लंकेस्वर भए सब जग जाना।।



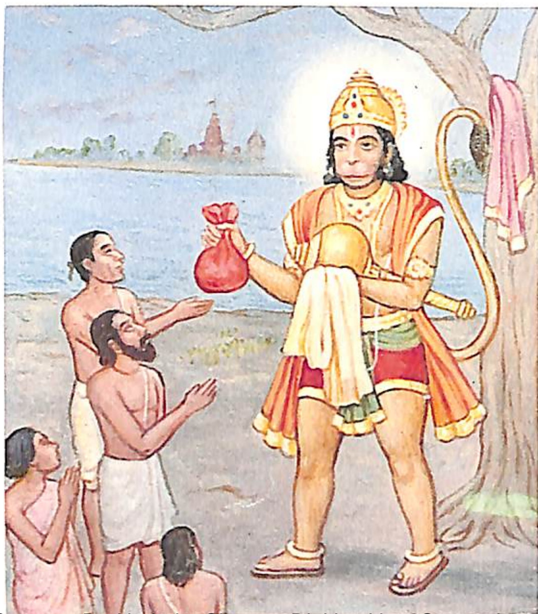
जुग सहस्त्र जोजन पर भानू ।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ।।



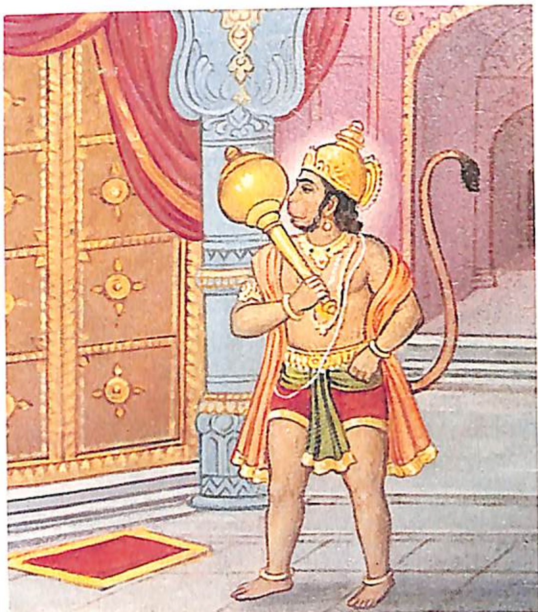
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं।।



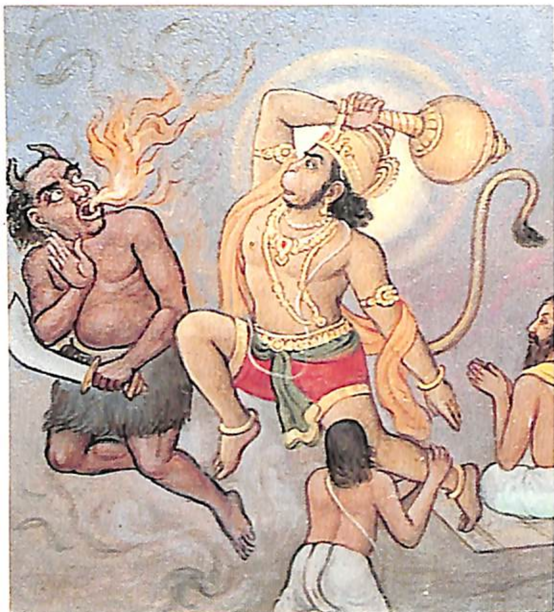
दुर्गम काज जगत के जेते।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते।।



राम दुआरे तुम रखवारे।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे।।



सब सुख लहै तुम्हारी सरना।
तुम रच्छक काहू को डर ना।।



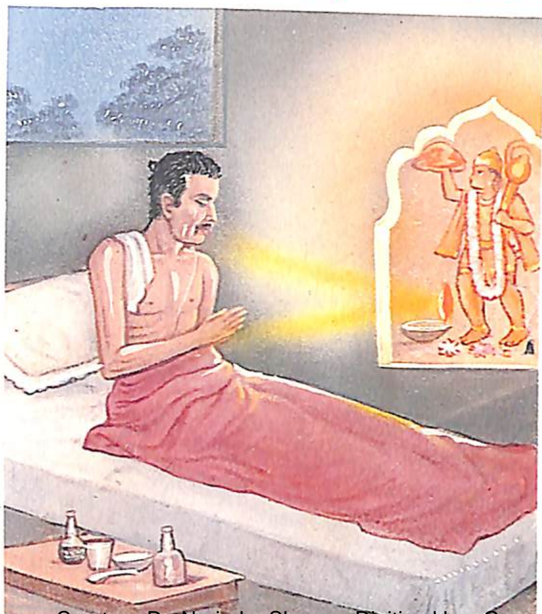
आपन तेज सम्हारो आपै।
तीनों लोक हाँक तें काँपै।।



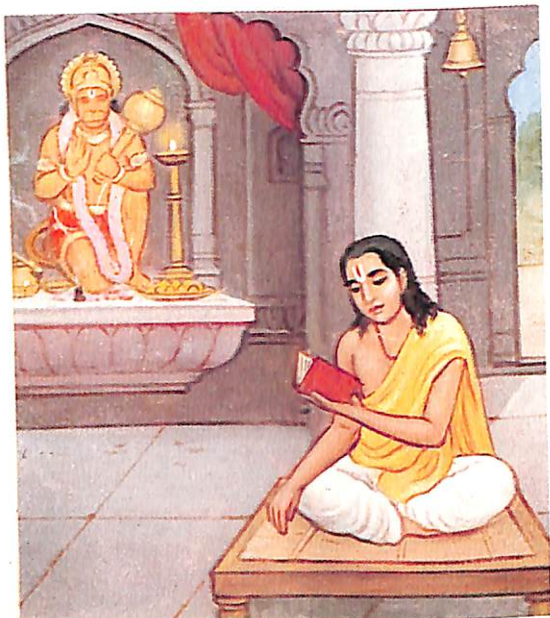
भूत पिसाच निकट नहिं आवैं।
महाबीर जब नाम सुनावै।।



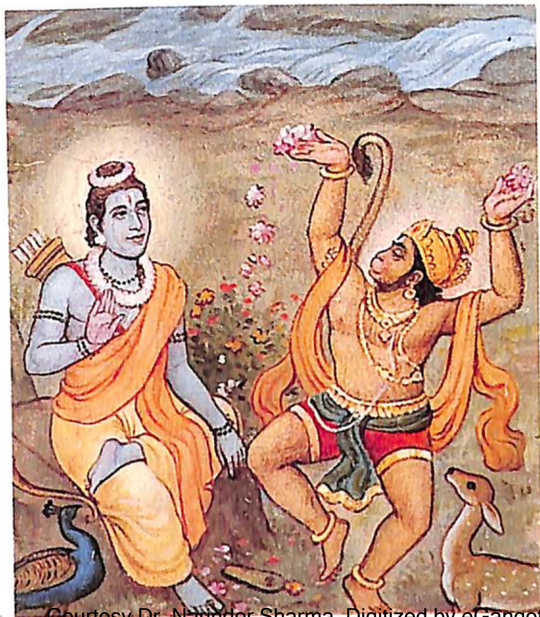
नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरन्तर हनुमत बीरा ।।



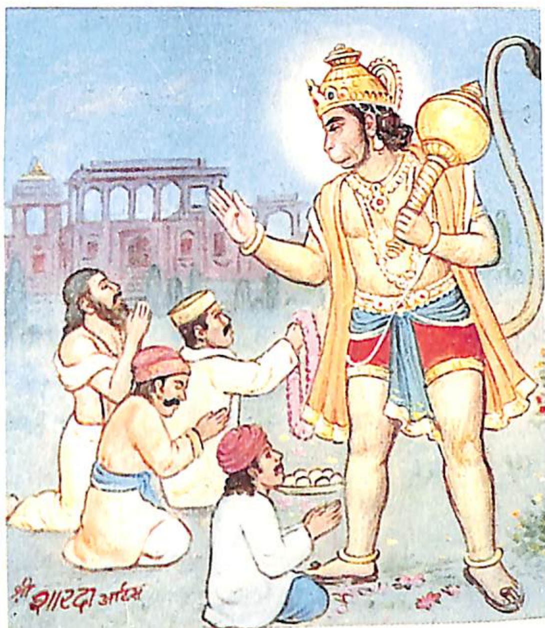
संकट तें हनुमान छुड़ावै ।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ।।



सब पर राम तपस्वी राजा ।
तिन के काज सकल तुम साजा ।।



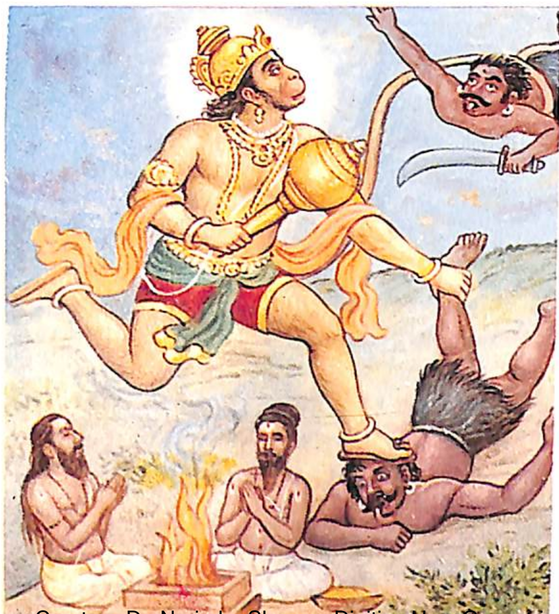
और मनोरथ जो कोई लावै।
सोई अमित जीवन फल पावै।।



चारों जुग प्रताप तुम्हारा।
है परसिद्ध जगत उजियारा।।



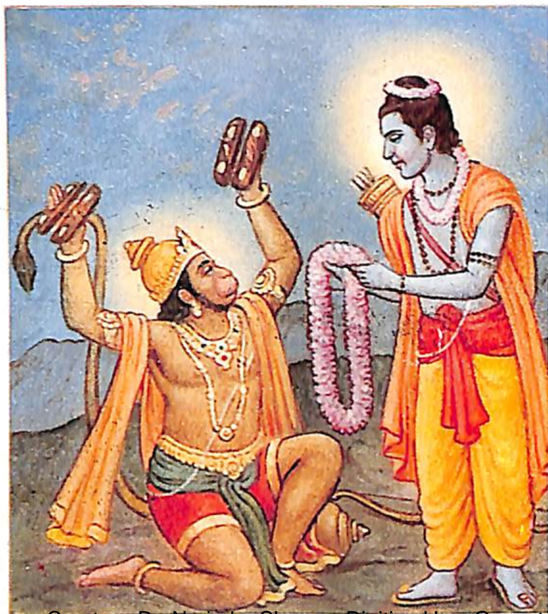
साधु संत के तुम रखवारे ।
असुर निकंदन राम दुलारे ।।



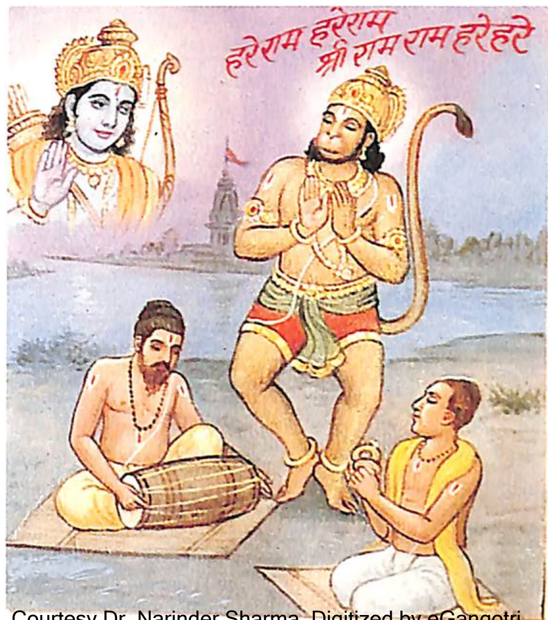
अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता ।
अस बर दीन जानकी माता ।।



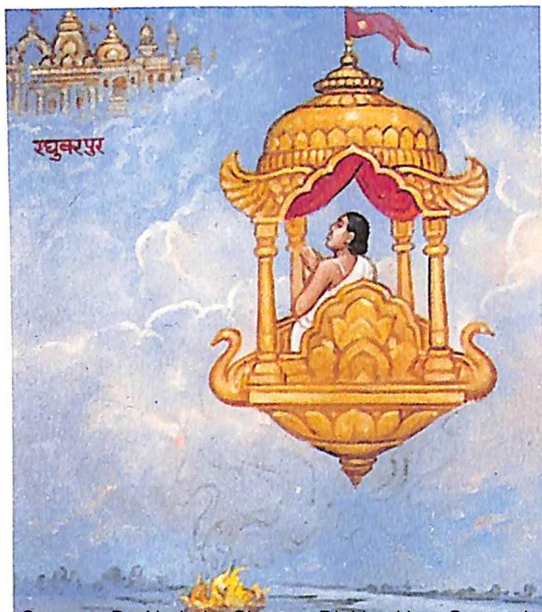
राम रसायन तुम्हरे पासा।
सदा रहो रघुपति के दासा।।



तुम्हरे भजन राम को पावै।
जनम जनम के दुख बिसरावै।।



अंत काल रघुबर पुर जाई।
जहां जन्म हरि-भक्त कहाई।।



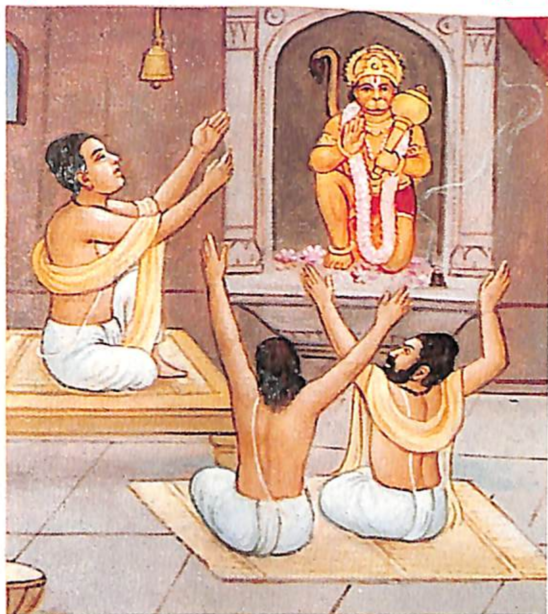
और देवता चित्त न धरई।
हनुमत सेई सर्ब सुख करई।।



संकट कटै मिटै सब पीरा।
जो सुमिरै, हनुमत बलबीरा।।



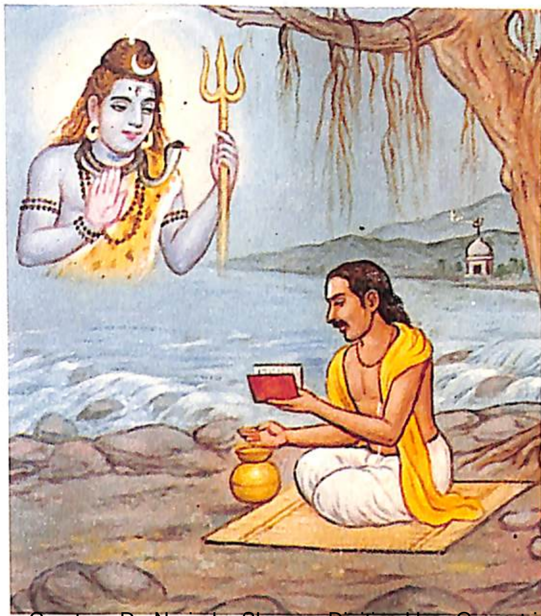
जै जै जै हनुमान गोसाईं ।
कृपा करहु गुरु देव की नाईं ।।



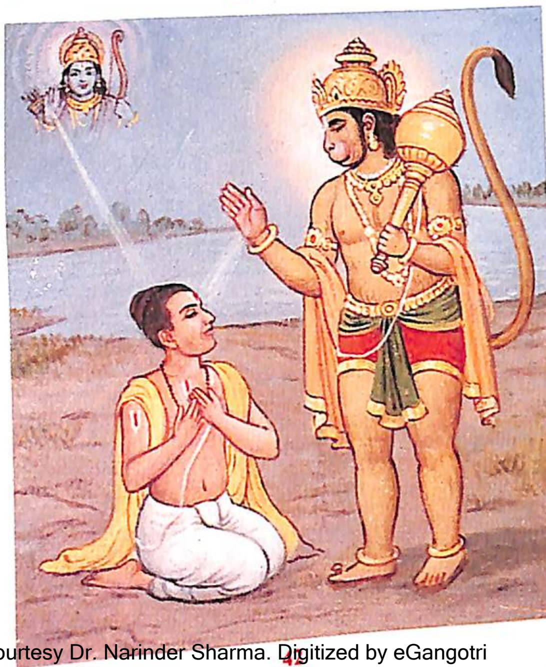
जो सत बार पाठ कर कोई।
छूटहि बंदि महा सुख होई।।



जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा ।
होय सिद्धि साखी गौरीसा ।।

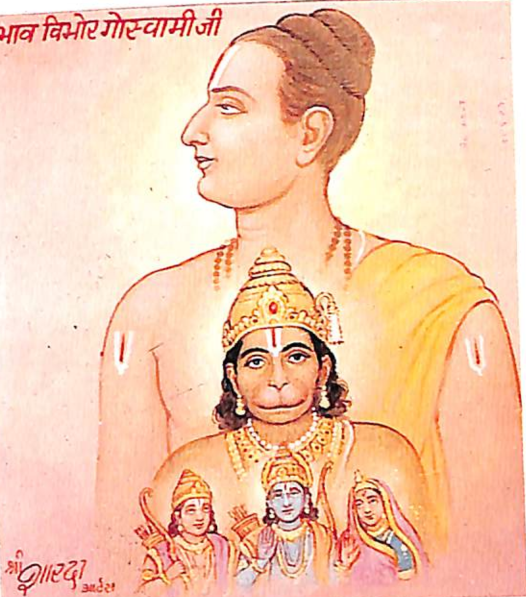


तुलसीदास सदा हरि चेरा।
कीजै नाथ हृदय मँह डेरा।।



दोहा

पवनतनय संकट हरन, मंगल मूर्ति रूप।
राम लखन सीता सहित, हृदय बसहु सुर भूप ।।



संकटमोचन हनुमानाष्टक

बाल समय रबि भक्षि लियो तब, तीनहुँ लोक भयो अँधियारो ।
ताहि सों त्रास भयो जग को, यह संकट काहु सों जात न टारो ।
देवन आनि करी बिनती तब, छांड़ि दियो रबि कष्ट निवारो ।
को नाहिं जानत है जग में कपि, संकटमोचन नाम तिहारो । को-१

बालि की त्रास कपीस बसै गिरि, जात महाप्रभु पंथ निहारो ।
चौंकि महा मुनि साप दियो तब, चाहिय कौन बिचार बिचारो ।
के द्विज रूप लिवाय महाप्रभु, सो तुम दास के सोक निवारो । के-२

[illegible] लेन गए सिय, खोज कपीस यह बैन उचारो ।
जीवत ना बचिहौ हम सों जु, बिना सुधि लाए इहाँ पगु धारो ।
हेरि थके तट सिंधु सबै तब, लाय सिया-सुधि प्रान उबारो । को-३

रावन त्रास दई सिय को सब, राक्षसि सों कहि सोक निवारो ।
ताहि समय हनुमान महाप्रभु, जाय महा रजनीचर मारो ।
[illegible] सीय असोक सों आगि सु, दै प्रभु मुद्रिका सोक निवारो । को-४

बान लग्यो उर लछिमन के तब, प्रान तजे सुत रावन मारो।
लै गृह बैद्य सुषेन समेत, तबै गिरि द्रोन सु बीर उपारो।
आनि सजीवन हाथ दई तब, लछिमन के तुम प्रान उबारो। को-५
रावन जुद्ध जु अजान कियो तब, नाग कि फाँस सबै सिर डारो।
श्री रघुनाथ समेत सबै दल, मोह भयो यह संकट भारो।
आनि खगेश तबै हनुमान जु, बन्धन काटि सुत्रास निवारो। को-६
बंधु समेत जबै अहिरावन, लै रघुनाथ पाताल सिधारो।
देविहिं पूजि भली विधि सों बलि, देउ सबै मिलि मंत्र बिचारो।
जाय सहाय भयो तब ही, अहिरावन सैन्य समेत संहारो। को-७
काज किए बड़ देवन के तुम, बीर महाप्रभु देखि बिचारो।
कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसों नहिं जात है टारो।
बेगि हरो हनुमान महाप्रभु, जो कछु संकट होय हमारो। को-८

दोहा

लाल देह लाली लसे, अरु धरि लाल लँगूर,
बज्र देह दानवदलन, जय जय जय कपि सूर।

श्रीहनुमानजी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की ।
दुष्टदलन रघुनाथ कला की ।। टेक ।।
जाके बल से गिरिवर काँपै ।
रोग-दोष जाके निकट न झाँपै ।। १ ।।
अजंनि पुत्र महा बलदाई ।
संतन के प्रभु सदा सहाई ।। २ ।।
दे बीरा रघुनाथ पठाये ।
लंका जारि सीय सुधि लाये ।। ३ ।।
लंका सो कोट समुद्र सी खाई ।
जात पवनसुत बार न लाई ।। ४ ।।
लंका जारि असुर संहारे ।
सियारामजी के काज सँवारे ।। ५ ।।
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे ।
आनि संजीवनी प्रान उबारे ।। ६ ।।
पैठि पाताल तोरी जम-कारे ।
अहिरावन की भुजा उखारे ।। ७ ।।
बायें भुजा असुर दल मारे ।
दहिने भुजा संतजन तारे ।। ८ ।।
सुर नर मुनि आरती उतारे ।
जै जै जै हनुमान उचारे ।। ९ ।।
कंचन थार कपूर लौ छाई ।
आरति करत अंजना माई ।। १० ।।
जो हनुमान (जी) की आरति गावै ।
बसि बैकुंठ परमपद पावै ।। ११ ।।

Painted by ...


सप्रेम भेंट
श्री सिद्ध हनुमान मन्दिर रजि.
महांबीर चौंक जगराओं



श्री हनुमान चालीसा